दैनिक
लोकहित की पुकार

MPHIN/37343

राजगढ़, शनिवार 1 फरवरी, 2025 | वर्ष-04 | अंक- 87 पृष्ठ-4 | मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 2 अमेरिकी वर्चस्व को डीपसीक की चुनौती

पेज- 4 संबल योजना लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना : राज्यमंत्री टेटवाल

आप में लगी इस्तीफों की झड़ी

सात विधायकों ने पार्टी से तोड़ा नाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले शुक्रवार को आम आदमी पार्टी को एक-दो नहीं बल्कि पांच झटके लगे हैं। सबसे पहले महरौली के विधायक नरेश यादव ने इस्तीफा दिया। इसके कुछ घंटे बाद ही जनकपुरी से विधायक राजेश ऋषि ने पार्टी छोड़ी फिर त्रिलोकपुरी से विधायक रोहित कुमार मेहरौलिया, कस्तूरबा नगर के विधायक मदन लाल, बिजवासन से भुपेंद्र सिंह जून, पालम से भावना गोड़ और फिर आदर्श नगर से पवन कुमार शर्मा ने भी अपना इस्तीफा दे दिया। बता दें कि इन सभी विधायकों को पार्टी से टिकट नहीं मिला था। पांच फरवरी को होने वाले मतदान से पहले पार्टी के तीन विधायकों का जाना आप के लिए कितना नुकसान दायक साबित होगा अब ये आठ फरवरी को मतगणना के दिन ही पता चलेगा। महरौली विधायक नरेश यादव ने अपने इस्तीफा पत्र में लिखा, आम आदमी पार्टी का उदय भ्रष्टाचार के खिलाफ हुए, अन्ना आंदोलन से भारतीय राजनीति से भ्रष्टाचार को मुक्त करने के लिए हुआ था लेकिन अब मैं बहुत दुखी हूं कि भ्रष्टाचार आम आदमी पार्टी बिल्कुल भी कम नहीं कर पाई बल्कि आम आदमी पार्टी ही भ्रष्टाचार के दलदल में लिप्त हो चुकी है।

मैंने 10 साल ईमानदारी से काम किया

मैंने आम आदमी पार्टी ईमानदारी की राजनीति के लिए ही ज्वाइन की थी। आज कहीं भी ईमानदारी नजर नहीं आ रही है। मैंने महरौली विधानसभा में पिछले 10 सालों से लगातार 100 फीसदी ईमानदारी से काम किया है। महरौली के लोग जानते हैं कि मैंने ईमानदारी की राजनीति, अच्छे व्यवहार की राजनीति और काम की राजनीति की है। मैंने महरौली के बहुत से लोगों से चर्चा की, सभी ने यही कहा कि आम आदमी पार्टी ॲब पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त हो चुकी है। आपको इस पार्टी को छोड़ देना चाहिए क्योंकि इन्होंने लोगों के साथ धोखा किया है। कहते थे, कि हम ईमानदारी की राजनीति करेंगे लेकिन आज पूरी तरह से भ्रष्टाचार में लिप्त है।

पार्टी में शामिल हो चुके भ्रष्टाचारी

दिल्ली की जनता जानती है कि आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के दलदल में फंस चुकी है क्योंकि इन्होंने भ्रष्टाचारियों को ही पार्टी में शामिल कर लिया है। आम आदमी पार्टी में कुछ ही लोग ईमानदारी की राजनीति करने वाले बचे हैं। केवल उनसे मेरा प्यार व दोस्ती हमेशा रहेगी और अपनी महरौली की जनता का भी मैं दिल से आभार और धन्यवाद प्रकट करता हूं कि इन्होंने मुझे 10 सालों में बहुत प्यार और आशीर्वाद दिया है। महरौली विधान सभा और दिल्ली की प्यारी जनता से विनम्र निवेदन है कि आगे की ईमानदारी से समाज सेवा वाली राजनीति के लिए अपना आशीर्वाद और प्यार हमेशा मुझपर बनाये रखें। मैं आप सभी से वादा करता हूं कि हमेशा ईमानदारी की, अच्छे व्यवहार की और काम की राजनीति करता रहूंगा।

जीबीएस से 36 वर्षीय व्यक्ति की अस्पताल में तोड़ा दम

मुंबई। गुइलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से पीड़ित 36 वर्षीय व्यक्ति की पुणे के नागरिक अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस व्यक्ति की मौत के साथ ही राज्य में जीबीएस से मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। कैब ड्राइवर के रूप में काम करने वाले इस मरीज को 21 जनवरी को पिंपरी चिंचवाड़ के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम के मुताबिक, वाईसीएमएच में एक विशेषज्ञ समिति ने मामले में गंभीरता से जांच की है। समिति ने पाया कि मौत का कारण निमोनिया के कारण श्वसन तंत्र का कमजोर होना था। इस वजह से सांस लेने में गंभीर कठिनाई हुई।

गाजीपुर में दर्दनाक हादसा

महाकुंभ से लौट रहे आठ श्रद्धालुओं की मौत

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में शुक्रवार को दर्दनाक हादसा हुआ। वाराणसी-गाजीपुर मार्ग पर उसमीकला मोड़ के पास डंपर ने श्रद्धालुओं से भरे पिकअप को टक्कर मार दी। सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत की सूचना है। मृतकों में एक बच्चा, तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। वहीं, कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। पिकअप सवार श्रद्धालु महाकुंभ से स्नान कर लौट रहे थे। सभी गोरखपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मौके पर डीएम आर्यका अखौरी समेत कई अधिकारी पहुंचे हैं।

हादसा इतना भीषण था कि शवों के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव के टुकड़ों को इकट्ठा किया।

घटनास्थल पर अफरा- तफरी का माहौल है। पुलिस लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटी रही है। वहीं मृतकों के शव को कब्जे में लिया गया है।

एक ही गांव के हैं सभी मृतक

1. अमर सिंह (45) पुत्र शंभू सिंह हरदीचक थाना बांसगांव
2. नित्या सिंह (5) पुत्री अमर सिंह हरदीचक थाना बांसगांव
3. सुधा चौरसिया (55) पत्नी त्रिलोकी चौरसिया हरदीचक थाना बांसगांव
4. सुरेंद्र गुप्ता (54) पुत्र रामप्यारे गुप्ता हरदीचक थाना बांसगांव
5. लीलावती (40) पत्नी सिधु गुप्ता हरदीचक थाना बांसगांव
6. श्याम सुंदर (45) पुत्र शहजादे सिंह हरदीचक थाना बांसगांव
7. पुष्पा देवी (स्नेहलता) (40) पत्नी अजय यादव हरदीचक थाना बांसगांव
8. गुलाबी देवी (45) पत्नी रविंद्र यादव हरदीचक थाना बांसगांव।

जीआई समिट से पहले सज रहा भोपाल, तैयारी में जुटे कई विभाग

23-24 फरवरी को आएंगे 30 देश के उद्यमी

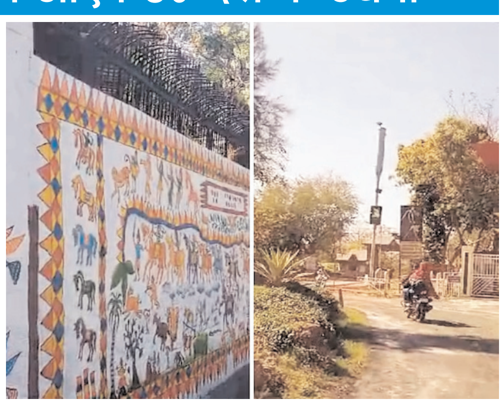

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 24 और 25 फरवरी को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट का आयोज किया जाएगा। भोपाल में होने जा रही पहली इंवेस्टर्स समिट की तैयारी को लेकर प्रदेश सरकार पूरी क्षमता लगा रही है। समिट से पहले भोपाल को पूरी तरह सजाया जा रहा है। अगले 15 दिन के भीतर पूरा शहर अलग ही नजर आएगा। समिट में भारत के प्रमुख उद्योगपति अंबानी, अडाणी, महिंद्रा, टाटा सहित कई बड़े बिजनेस लीडर्स शामिल होंगे। साथ ही, जापान, स्पेन और अन्य देशों से विदेशी निवेशक भी आएंगे।

सुधर रहीं शहर की सड़के

ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के लिए शहर को संवारने में नगर निगम और पीडब्ल्यूडी मिलकर 12 करोड़ से ज्यादा खर्च करेंगे। इस दौरान सबसे ज्यादा खर्च लाईटिंग और सड़कों को सुधारने पर किया जा रहा है। शहर की सभी सरकारी और हैरिटेज इमारतों पर लाइटिंग की व्यवस्था की जा रही है। वहीं एयरपोर्ट से लेकर लालघाटी, वीआईपी रोड, पॉलीटेक्निक चौराहा, राजभवन और मंत्रालय के आसपास की सभी सड़कों को सुधारने का काम तेजी से चल रहा है।

50 तरह के परोसे जाएंगे व्यंजन

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए ऐसा मेन्यू तैयार किया जा रहा है, जिससे मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक और खानपान विरासत की ब्रांडिंग भी हो। मेन्यू को प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की खास डिशेस के आधार पर तैयार किया जा रहा है। इसमें मालवा, निमाड़, बुंदेलखंड और बघेलखंड की पारंपरिक और लोकप्रिय डिशेस शामिल होंगी। कुल 50 तरह के व्यंजन परोसे जाएंगे, जिनमें इंडियन, कॉन्टिनेंटल और चाइनीज जैसे इंटरनेशनल फूड भी रहेंगे। इस खास मेन्यू का उद्देश्य विदेशी और भारतीय मेहमानों को एमपी के स्वाद और व्यंजनों से रूबरू कराना है, ताकि राज्य की खानपान संस्कृति को वैश्विक मंच पर पहचान मिले।

दीवारों पर हो रही कलात्मक चित्रकारी

ग्लोबल इनवेस्टर समिट के पहले करीब 3 करोड़ की लागत से दीवारों पर कलात्मक चित्रकारी कराई जा रही है। जबकि 84 लाख की लागत से नगर निगम सिविल स्ट्रक्चर वर्क, पेटिंग और अलग-अलग इलाकों में सौंदर्यीकरण का काम किया जा रहा है। वहीं शहर में होने वाली लाइटिंग पर करीब पौने 4 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। लगभग 92 लाख की लागत से सड़कों के लैम्प पोस्ट, चौराहों सहित कॉर्नर और पार्कों के बाहर लाइटिंग का काम किया जा रहा है। इसी तरह लगभग 1 करोड़ 40 लाख की लागत से लाइटिंग, 1 करोड़ 35 लाख की लागत से सरकारी इमारतों पर फसाड लाइटिंग होगी।

महाकुंभ में प्रदेश के पांच श्रद्धालुओं की मौत, सीएम ने सहायता राशि दो से बढ़ाकर चार लाख की

भोपाल। प्रयागराज महाकुंभ में मौनी अमावस्या के दिन 29 जनवरी की सुबह भगदड़ में 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इसमें पांच श्रद्धालु मध्य प्रदेश के शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सभी दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने भगवान महाकाल से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं उनके परिजनों को शक्ति और संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री यादव ने दुर्घटना को अत्यधिक पीड़ादायी बताते हुए कहा कि सरकार शोकाकुल घड़ी में परिजनों की हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में हुए अत्यंत पीड़ादायक हादसे में मध्य प्रदेश के 5 श्रद्धालुओं की मृत्यु की पुष्टि हुई है। सभी पांच श्रद्धालुओं की असमय दुखद मृत्यु पर परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से प्रदान की जाने वाली आर्थिक सहायता राशि दो-दो लाख रुपये से बढ़ाकर चार-चार लाख रुपये करने के निर्देश दिए हैं। बता दें, भगदड़ में उत्तर प्रदेश सरकार ने 30 लोगों की मौत की पुष्टि की है।

सोनिया गांधी के बयान पर राष्ट्रपति भवन ने जाहिर की नाराजगी

नई दिल्ली। बजट 2025-26 पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण के बाद कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी की टिप्पणी पर सियासी बवाल मच गया है। वहीं सोनिया गांधी के विवादित बयान पर राष्टपति भवन की ओर से नाराजगी जाहिर की गई है। राष्ट्रपति भवन की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया, राष्टपति के अभिभाषण पर कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं की टिप्पणियों से शीर्ष पद की गरिमा को ठेस पहुंची है। राष्टपति भवन ने अपने बयान में कहा, संसद में माननीय राष्टपति के अभिभाषण पर मीडिया को प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस पार्टी के कुछ प्रमुख नेताओं ने ऐसी टिप्पणियां की हैं, जिससे स्पष्ट रूप से उच्च पद की गरिमा को ठेस पहुंची है और इसलिए ये अस्वीकार्य हैं।

ममता कुलकर्णी और लक्ष्मी त्रिपाठी को किन्नर अखाड़े ने किया निष्कासित

महामंडलेश्वर के पद से भी हटाया

महाकुम्भनगर। एक सप्ताह पूर्व सन्यास लेने वाली सिने तारिका ममता कुलकर्णी को किन्नड़ अखाड़े के महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया है। इसके अलावा लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी को भी आचार्य महामंडलेश्वर के पद से हटा दिया गया है। इन दोनों को अखाड़े से भी निष्कासित कर दिया गया है। यह कार्रवाई किन्नर अखाड़े के संस्थापक अजय दास ने की है।

अजय दास ने शुक्रवार को कहा कि जल्द ही नए आचार्य महामंडलेश्वर की घोषणा की जाएगी। यह निर्णय अखाड़े के आंतरिक मतभेदों और अनुशासनात्मक कारणों के चलते लिया गया है। बताया जा रहा है

कि मामता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाए जाने के बाद से अखाड़े में गुटबाजी और आंतरिक विवाद बढ़ रहे थे, जिसके चलते यह कठोर निर्णय लेना पड़ा। गौरतलब है कि लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने ही अभिनेत्री ममता कुलकर्णी को महामंडलेश्वर बनाया था, लेकिन अब दोनों को अखाड़े से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। इस फैसले के बाद किन्नर अखाड़े में नई रणनीति बनाई जा रही है और जल्द ही नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। किन्नर अखाड़ा 2016 में स्थापित किया गया था और तब से यह लगातार धार्मिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

गुरुहरसहाय में पिकअप-कैंटर टकराए, नौ की मौके पर ही मौत

चंडीगढ। पंजाब के फिरोजपुर में भीषण हादसा हुआ है। गुरुहरसहाय में फिरोजपुर मार्ग पर गोलू का मोड़ के नजदीक पिकअप और कैंटर की टक्कर हो गई। हादसे में करीब नौ लोगों की मौत की खबर है। जानकारी के अनुसार, करीब 25 से 30 वेटर पिकअप में सवार होकर किसी कार्यक्रम के लिए गुरुहरसहाय से जलालाबाद जा रहे थे। फिरोजपुर मार्ग पर गोलू का मोड़ के नजदीक उनकी सड़क किनारे खड़े खराब कैंटर से टक्कर हो गई। हादसा इतना भयानक था कि नौ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। हादसे में घायल हुए 18 लोगों को अस्पताल लाया गया। इनमें से छह घायलों को रेफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, हादसे का कारण धुंध और तेज रफ्तार बताया जा रहा है।

100 वाली थाली 400, 200 वाला रूम 4000 में, मेले में उमड़ी भीड़ तो दुकानदारों ने बढ़ाए 10-20 गुना दाम

चित्रकूट। प्रयागराज महाकुंभ आई श्रद्धालुओं की भीड़ देख दुकानदारों ने खाने-पीने की चीजों के दाम चार गुना कर दिए। धर्मशाला के कमरों का किराया दस गुना ज्यादा बढ़ा दिया। थके-हारे श्रद्धालु मजबूरी में सौ रुपये वाली थाली चार सौ रुपये में खाने को मजबूर हैं।

धर्मशाला में एक कमरा 4000 का मिला

मौनी अमावस्या से तीर्थ क्षेत्र में पांच से 10 लाख श्रद्धालु आ रहे हैं। रहने खाने और सुरक्षा के तमाम इंतजाम प्रशासन ने किए, लेकिन वह सब नाकाफी साबित हो रहे हैं। इसका फायदा स्थानीय दुकानदार उठा रहे हैं। जबलपुर से आये श्रीकेशन तिवारी ने बताया कि 30 जनवरी को वह

पत्नी व दो छोटे बच्चों के साथ प्रयागराज से किसी तरह चित्रकूट पहुंचे तो एक धर्मशाला में एक कमरे के लिए उनसे पांच हजार रुपये मांगा गया। सभी थके हारे थे सौदा कर किसी तरह चार हजार रुपये में एक कमरा ले लिया। ढाबे व दुकानों पर रात आठ बजे से ही भोजन खत्म बता दिया जा रहा है। महाराष्ट्र के शोलापुर से आये तीर्थ यात्रियों की एक मिनी बस बेडी पुलिया से कर्वी के बीच एक होटल में रूकी। सभी भूखे थे। यात्री हर्ष वानखड़े व दिव्यांशी त्रिपाठी ने बताया कि प्रति व्यक्ति चार सौ रुपये में एक थाली का भोजन का भुगतान किया है।

20 वाला पानी 30 का मिल रहा

इतना ही नहीं पूरे मेला क्षेत्र में चाय समोसा के दाम पांच रुपये से बढ़ाकर 15 रुपये तक कर दिए गए हैं। पानी की बोतल 20 की जगह 30 रुपये में बिक रही है। बड़े होटल में भी श्रद्धालुओं से जमकर वसूली हो रही है। झांसी के सुदीप सुलेरे व रानी चतुर्वेदी ने बताया कि वह दो परिवार के साथ चित्रकूट आये। कई होटल में कमरे लेने गये हर जगह सात से आठ हजार रुपये का कमरा बताया गया। एक माह पूर्व भी जब वह आये थे तो इन्हीं होटलों में किराया डेढ़ से दो हजार रुपये था। नाविक भी श्रद्धालुओं से 50 रुपये की जगह दो सौ रुपये तक ले रहे हैं। टेंपो ई रिक्शा वाले स्टेशन से रैन बसेरा तक का 50 रुपये प्रति सवारी ले रहे हैं जबकि रेट 20 से 25 रुपये है।

श्रद्धालुओं को ठगने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई

डीएम शिवशरणप्पा ने कहा कि मेला क्षेत्र में लगे अधिकारियों से सभी दुकानों व होटल धर्मशाला में जाकर श्रद्धालुओं को न ठगने के निर्देश देने के लिए कहा गया है। कहीं से शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सभी से मूल्य सूची दुकान व होटल में लगाने के लिए भी कहा गया है। एसपी अरुण कुमार सिंह ने कहा कि ऐसी शिकायत आने पर दुकानदार के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सभी को हिदायत पहले ही दी जा चुकी है।

राष्ट्रपति पर सोनिया गांधी की टिप्पणी पर भड़की बीजेपी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की ओर से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए की गई एक टिप्पणी को लेकर शुक्रवार को उनकी कड़ी निंदा की और मांग की कि वह राष्ट्रपति तथा भारत के आदिवासी समुदायों से बिना शर्त माफी मांगें। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण के बाद शुक्रवार को कहा कि वह अपने संबोधन के आखिर तक थक गई थीं और बहुत मुश्किल से बोल पा रही थीं। उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गई थीं...वह मुश्किल से बोल पा रही थीं, बेचारी। जेपी नड्डा ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सोनिया गांधी द्वारा राष्ट्रपति को संदर्भित करने के लिए ''घटिया बात जैसे शब्द का उपयोग किया जाना बेहद अपमानजनक है।

महाकुंभ मेले में चार फरवरी तक वाहनों के प्रवेश पर रोक

महाकुंभ नगर। मौनी अमावस्या पर हुए हादसे के बाद श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेला पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं। शुक्रवार से वसंत पंचमी स्नान (तीन फरवरी) के अगले दिन (चार फरवरी) तक मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया है। इसके तहत प्रशासनिक और चिकित्सा संबंधी वाहनों के अलावा अन्य वाहनों पर मेला क्षेत्र में पाबंदी रहेगी। डीआईजी मेला वैभव कृष्ण का कहना है कि भीड़ बढ़ने पर पासधारक वाहनों पर भी प्रतिबंध लगाया जा सकता है। डीआईजी मेला ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत 31 जनवरी, 1, 2, 3 व 4 फरवरी को मेला क्षेत्र नो व्हीकल जोन रहेगा।

मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के आवागमन की व्यवस्था सुचारू रखने के लिए यह कदम उठाए गए हैं। शासन ने मौनी अमावस्या के महास्नान से दो दिन पहले और दो दिन बाद तक वाहनों के मेला क्षेत्र में आने पर प्रतिबंध पहले से ही लागू कर रखा है। अन्य प्रमुख स्नान पर्वों पर यह प्रतिबंध एक दिन पहले-एक दिन बाद तक लागू है। इस लिहाज से वसंत पंचमी पर यह प्रतिबंध दो से चार फरवरी तक लगना था। मगर, बीते स्नान पर्वों के अनुभवों को देखते हुए एक फरवरी को भी प्रतिबंध के दायरे में ले लिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की मुश्किलों की सामना न करना पड़े। कमिश्नरेट के डीआईजी व नोडल अफसर (महाकुंभ) डॉ. अजय पाल शर्मा ने बताया कि वसंत पंचमी पर 'डी-1, डी.1' प्लान लागू किया जाएगा। इसके तहत तीन फरवरी से एक दिन पहले व बाद में (यानी दो से चार फरवरी तक) शहर में कोई वाहन नहीं घुस पाएगा। पासधारक वाहनों पर भी यही व्यवस्था लागू रहेगी। श्रद्धालुओं की बसों, मिनी बसों या कारों को नजदीकी पार्किंग स्थलों पर ही खड़ा करा लिया जाएगा।

संपादकीय

सरकारी स्कूलों पर भरोसा

निर्विवाद रूप से आम लोगों की धारणा सरकारी स्कूलों के प्रति अच्छी नहीं रहती। थोड़ी आर्थिक स्थिति सुधरते ही लोग अपने बच्चों को महंगे निजी स्कूलों में भेजने को आतुर हो जाते हैं। कोरोना संकट ने बताया था कि जब तमाम लोगों की आर्थिक स्थिति खराब हुई और नौकरियां गई, तो सरकारी स्कूलों ने उनके बच्चों को सहारा दिया। आंकड़े बताते हैं कि कोरोना संकट के दौरान व बाद में सरकारी स्कूलों में बच्चों के दाखिलों में खासी तेजी आई थी। लेकिन यह सवाल नीति-नियंताओं के लिये विचारणीय है कि बेहतर संरचनात्मक सुविधाओं व ऊंचे वेतनमान वाले शिक्षकों के बावजूद सरकारी स्कूल जनमानस की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरे क्यों नहीं उतरते। समाज के संपन्न तबके व अधिकारियों के बच्चे सरकारी स्कूलों में जाने से गुरेज क्यों करते हैं? बहरहाल, एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट यानी असर 2024 के जो निष्कर्ष बीते मंगलवार को दिल्ली में जारी किए गए, वे नई उम्मीद जगाते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को लेकर किए गए अध्ययन वाली असर की रिपोर्ट बताती है कि देश में छह से चौदह वर्ष के बच्चों के पढ़ने की क्षमता और गणितीय कौशल में कोरोना संकट के बाद सुधार देखा गया है। सरकारी स्कूलों में तीसरी कक्षा के बच्चों के पढ़ने की बुनियादी क्षमता में पहले से सुधार हुआ है। जो पिछले दो दशकों में सर्वोत्तम स्तर पर है। अच्छी बात यह है कि सरकारी व निजी दोनों स्तर पर स्कूलों में विद्यार्थियों के बुनियादी गणितीय कौशल में सुधार देखा गया। जो पिछले एक दशक में बेहतर है। अब कक्षा तीन के छात्र घटाव के प्रश्न हल करने में सक्षम हैं। वहीं कक्षा पांच के बच्चे भाग के प्रश्न हल कर सकते हैं। अच्छी बात यह भी कि देशभर के स्कूलों में सीखने के स्तर में भी सुधार आया है। यह स्तर 2010 तक स्थिर था, फिर इसमें गिरावट का ट्रेंड देखा गया था। दरअसल,कोरोना काल में बच्चों के सीखने की क्षमता में गिरावट देखी गई। महामारी के चलते स्कूल बंद होने के बाद बच्चे पढ़ नहीं पाए। अधिकांश बच्चों के पास स्मार्टफोन नहीं थे। वहीं घर में माता पिता के कम पढ़े-लिखे होने या अनपढ़ होने से बच्चों का सीखने का मूलभूत कौशल प्रभावित हुआ था। बच्चे पहले का सीखा भूल गए और बड़ी संख्या में बच्चों को स्कूल भी छोड़ना पड़ा। असर की रिपोर्ट बताती है कि जहां नामांकन प्रतिशत में वृद्धि हुई है,वहीं डिजिटल साक्षरता की दर में भी वृद्धि देखी गई है। सुखद है कि कोरोना काल के बाद स्कूलों में पढ़ाई को लेकर गंभीरता देखी गई है। जागरूकता अभिभावकों के स्तर पर भी देखी गई है। हालांकि, बीते वर्ष के मुकाबले छह से चौदह वर्ष तक के बच्चों के दाखिलों में कमी देखी गई है। जिसकी वजह है कि कोरोना संकट के चलते रोजगार प्रभावित होने से जो बच्चे सरकारी स्कूलों की तरफ आए थे, वे फिर आय बढ़ने पर निजी स्कूलों की ओर रुख करने लगे हैं।

एआई की दुनिया में तहलका मचाने वाले वेनफेंग

अरुण नैथानी

सहज विश्वास नहीं होता पर एक गुमनाम-से व्यक्ति ने अपनी मेधा, सीमित संसाधनों व तकनीकी कौशल से दुनिया की सुपर पावर कहे जाने वाले अमेरिका को एक ही दिन में हिलाकर रख दिया। चीनी एप डीपसीक की दस्तक सही मायनों में एआई की दुनिया में एक क्रांति जैसी ही है। दरअसल, डीपसीक आर-1 एक एआई मॉडल है, जो अपनी समस्त एआई सेवाएं मुफ्त उपलब्ध करा रहा है, जिसके लिए अमेरिका की नामी कंपनियां अब तक मोटा पैसा वसूलती रही हैं। निश्चित रूप से डीपसीक को बनाने वाले चीन के लियांग वेनफेंग ने तीसरी दुनिया के तमाम विकासशील देशों को संबल भी दिया है कि तकनीकी कौशल सिर्फ अमेरिका की बपौती मात्र नहीं है। बीते सोमवार को अमेरिका की एआई कंपनियों के शेयर भूचाल जैसी स्थिति में जैसे धराशायी हुए उसने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और आईटी दिग्गजों को हिलाकर रख दिया। पूरी दुनिया को बेतुकी धमकियों और अमेरिका फर्स्ट के बयानों से विचलित करने वाले डोनाल्ड ट्रंप चीन के इस ट्रंप-कार्ड से शिकस्त खा गए। उन्होंने इसे अमेरिका एआई उद्योग के लिये खतरे की घंटी बताया।

अमेरिकी बादशाहत वाली दिग्गज एआई कंपनियों चैटजीपीटी, ओपन एआई और गूगल जेमिनी के नये सस्ते विकल्प के रूप में उभरी डीपसीक का दबदबा इतनी जल्दी अमेरिका व उसके शेयर बाजार को हिला गया कि एआई सर्विस उपलब्ध कराने वाली कंपनियां सकते में आ गईं। इसकी वजह यह है कि डीपसीक महंगी सेवाएं मुफ्त में उपलब्ध करा रही है। यही वजह रही कि ये प्ले स्टोर पर एक ही दिन में सबसे ज्यादा डाउनलोड होने वाला एप बन गया। कल तक गुमनामी में साधना में जुटा लियांग वेनफेंग आज एआई की दुनिया का बेताज बादशाह है।

दरअसल, लियांग को यह शिखर की सफलता रातो-रात नहीं मिली। इसके पीछे उसके लंबे समय से किए जा रहे अथक प्रयास भी हैं। दरअसल, लियांग वेनफेंग ने बीस माह पहले एक स्टार्टअप शुरू किया था, जिसका नाम डीपसीक था। डीपसीक के संस्थापक और सीओ लियांग वेनफेंग बीते साल सार्वजनिक रूप से कह चुके थे कि अमेरिकी एआई प्लेटफार्म अंतिम सत्य नहीं है, इनके विकल्प भविष्य में सामने आ सकते हैं। जिसे उन्होंने अब हकीकत बना दिया है। चीन के झानजियांग में एक साधारण परिवार में जन्म लेने वाले लियांग वेनफेंग का जीवन आम चीनी नागरिकों जैसा ही था। उनके पिता एक प्राइमरी स्कूल में शिक्षक रहे। बचपन से लियांग वेनफेंग एक मेधावी छात्र रहे हैं। यद्यपि उनकी प्रारंभिक पढ़ाई सामान्य स्कूलों में हुई लेकिन उनमें कुछ विशिष्ट गुण उनके शिक्षकों ने देखे। वे शुरुआत से ही जटिल गुत्थियों को सुलझाने में रुचि दिखाते थे। कालांतर में उन्होंने इंजीनियरिंग की राह पकड़ी तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता उनका प्रिय विषय बन गया। बताते हैं कि वर्ष 2019 में भी उन्होंने हाई-फ्लायर एआई प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह अरबों युआन की संपत्ति का प्रबंधन करने वाला उपक्रम था। लेकिन वे चीन में सुर्खियों में तब आए जब वर्ष 2023 में उन्होंने एआई उपक्रम डीपसीक की स्थापना की। आज वे चीन ही नहीं, पूरी दुनिया के हीरो हैं। आज चालीस वर्षीय लियांग वेनफेंग की कुल संपत्ति 28 हजार करोड़ बतायी जाती है। जाहिर उनके एआई प्लेटफॉर्म की अप्रत्याशित कामयाबी के बाद आने वाले दिनों में उनकी संपत्ति कुलांचें भरने लगे तो कोई अतिशयोक्ति न होगी। दरअसल, अमेरिकी टेक कंपनियों में खलबली मचाने वाली लियांग वेनफेंग की एआई संचालित चैटबॉट डीपसीक की लागत अमेरिकी कंपनियों से दस गुना कम बतायी जा रही है। कंपनी द्वारा मुफ्त में सेवा उपलब्ध कराने से मिली अपार ख्याति ने ही अमेरिकी वॉल स्ट्रीट में भूचाल ला दिया। जिस चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया से लियांग वेनफेंग ने चिप खरीदकर इस उपक्रम की शुरुआत की थी, उसकी मार्केट वैल्यू डीपसीक के जलवे के चलते एक ही दिन में छह सौ अरब डॉलर घट गई। यही वजह है कि दुनिया को अपने धमाल से हिलाने वाले डोनाल्ड ट्रंप को भी कहना पड़ा कि अमेरिकी उद्यमियों के लिये यह सतर्क हो जाने वाला वक्त है। हालांकि, सिलकॉन वैली के कुछ दिग्गज इस उपलब्धि को दुनिया के लिये प्रभावी बता रहे हैं। जो अमेरिकी एआई कंपनियों के अरबों डॉलर के खर्च के मुकाबले कुछ लाख डॉलर में तैयार हुई है। जिसके लिये लियांग वेनफेंग ने निवेशकों से धन जुटाकर इस अभियान की शुरुआत की। वैसे सूचना और इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर लियांग वेनफेंग की इस कामयाबी की राह इतनी आसान भी नहीं थी।

अमेरिकी वर्चस्व को डीपसीक की चुनौती

याद कीजिए, जब 1980 के दशक के आखिर में अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कम्प्यूटर देने से इनकार कर दिया था। वह आशंकित था कि भारत इसका इस्तेमाल अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में कर सकता है। कालांतर में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने परम-8000 नामक सुपर कंप्यूटर बना लिया। दिखा दिया कि तकनीकी क्रांति में किसी की बपौती नहीं चल सकती। आज वही हालात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में बन गए हैं। चीन एआई में बराबरी में आने के बारे में भी न सोच सके, इसका प्रबंध बाइडेन सरकार ने डच कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली लिथोग्राफी मशीनों की चीन को बिक्री पर रोक लगाने के रूप में किया था। ये मशीनें बेहद एडवांस माइक्रोचिप्स बना सकती हैं। इनका इस्तेमाल एआई के टूल्स और सॉफ्टवेयर में होता है।

डॉ. संजय वर्मा

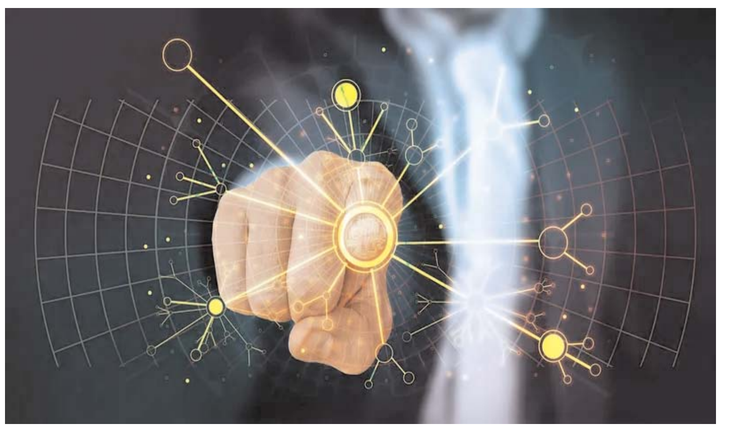

अमेरिकी सत्ता पर दोबारा काबिज होने के पहले ही दिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक चीनी एप टिकटॉक पर अपने देश में लगी पाबंदी हटाने का ऐलान किया, तो उन्हें अहसास नहीं रहा होगा कि एक अन्य चीनी क्रांति उनकी नींद हराम करने के लिए पैदा हो गई है। यह क्रांति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उस दायरे में हुई है, जिसमें ओपन एआई, गूगल और फेसबुक आदि इंटरनेट कंपनियों के चैटजीपीटी, जेमनाई (बार्ड), को-पायलट और मेटा एआई जैसे अमेरिकी टूल या सॉफ्टवेयर पूरी दुनिया पर कब्जा किए हुए बैठे हैं। बात डीपसीक आर-1 नामक उस चीनी चैटबॉट की है, जिसके आगमन ने एआई बरतने वालों में यह कौतूहल जगा दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले अमेरिकी टूल्स या सॉफ्टवेयर के मुकाबले ग्राहकों को इस चीनी इंतजाम की सुविधाएं मुफ्त हासिल होंगी और ज्यादा तेजी से मिलेंगी। डीपसीक इसकी सबसे ताजा मिसाल है कि तकनीक के क्षेत्र में किसी एक देश, इलाके या कंपनी का एकछत्र साम्राज्य या एकाधिकार कितनी तेजी से ध्वस्त हो सकता है। इससे भरोसा जगा है कि अगर कोई गरीब या विकासशील मुल्क मामूली संसाधनों के बल पर विकसित देशों के बराबर पहुंचना चाहे, तो दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर आज वह ऐसा आसानी से कर सकता है।

याद कीजिए, जब 1980 के दशक के आखिर में अमेरिका ने भारत को क्रे नामक सुपर कम्प्यूटर देने से इनकार कर दिया था। वह आशंकित था कि भारत इसका इस्तेमाल अपने परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम में कर सकता है। कालांतर में भारत के सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने परम-8000 नामक सुपर कंप्यूटर बना लिया। दिखा दिया कि तकनीकी क्रांति में किसी की बपौती नहीं चल सकती। आज वही हालात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मामले में बन गए हैं। चीन एआई में बराबरी में आने के बारे में भी न सोच सके, इसका प्रबंध बाइडेन सरकार ने डच कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली लिथोग्राफी मशीनों की चीन को बिक्री पर रोक लगाने के रूप में किया था। ये मशीनें बेहद एडवांस माइक्रोचिप्स बना सकती हैं। इनका इस्तेमाल एआई के टूल्स और सॉफ्टवेयर में होता है। हालांकि, डीपसीक के निर्माता अमेरिकी कंपनी एनवीडिया से खास किस्म के माइक्रोचिप्स (ए-100 और एच-800) पहले ही खरीद चुके थे, लिहाजा उनका अत्यधिक किफायत से इस्तेमाल कर चैटबॉट डीपसीक बना डाला गया। कहां तो अमेरिका इस कोशिश में था कि चीन एआई के मामले में उसका पिछलग्गू बना रहे, लेकिन लागत और तेजी में डीपसीक उससे आगे निकल गया। डीपसीक आर-1 के आर्थिक फायदे-नुकसान की एक तस्वीर तो दुनिया देख ही चुकी है। जैसे ही अमेरिका में डीपसीक के पहुंचने की खबरें आईं, उसके शेयर बाजारों में तबाही का आलम पैदा हो गया। इसकी वजह एआई के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों के दबदबे को चुनौती मिलना है। डीपसीक आर-1 चूंकि एक मुफ्त (ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर) एआई टूल या कहें कि चैटबॉट है, जिसे बनाने में अमेरिका की महंगी तकनीक और माइक्रो चिप्स की बजाय उनके सस्ते संस्करण इस्तेमाल किए गए हैं, लिहाजा माना गया कि तकनीक के आविष्कार और उसे आजमाने की जो लागत और कीमत अमेरिकी कंपनियां बताती रही हैं, वे बढ़ा-चढ़ाकर बताई गई हैं। मिसाल के तौर पर अमेरिकी कंपनी ओपन एआई ने चैटजीपीटी को जिस लागत में बनाया था, डीपसीक के निर्माण की लागत उससे दस गुना कम (60 लाख डॉलर यानी करीब 52 करोड़ रुपये) आई है। इस चीनी कंपनी ने साबित कर दिया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले वही काम बेहद सस्ते में और कई मामलों में मुफ्त में हो सकते हैं जिनके लिए अमेरिकी कंपनियां दसियों गुना ज्यादा पैसा ले रही हैं। हालांकि, कुछ का कहना है कि यह दावा करना कि एआई का कोई बेहद शानदार प्रबंध बहुत कम पैसे में हो गया है- एक भू-रणनीतिक योजना का हिस्सा हो सकता है। ऐसा कहने के पीछे अमेरिका के खिलाफ आर्थिक युद्ध छेड़ने की मंशा काम कर रही होगी। दरअसल, कृत्रिम रूप से कम लागत का दावा करने का अर्थ यह साबित करना है कि अमेरिकी कंपनियां छद्म रूप से लागत और कीमतें कई गुना बढ़ाकर बताती हैं। लेकिन यदि वही काम दस-बीस गुना कम कीमत में हो सकता है, तो प्रतिस्पर्धा में आने वाली कंपनी या तो अपने उत्पाद की कीमत उसकी बराबरी में लाने को मजबूर हो जाएगी या फिर घाटा उठाने अथवा कामकाज बंद करने को मजबूर हो जाएगी। लेकिन क्या मुफ्त होने के साथ-साथ डीपसीक आर-1 चैटजीपीटी या गूगल के जेमनाई की तरह ही सक्षम है और उनकी बराबरी कर सकता है। अभी दो चीजों को लेकर डीपसीक की घेराबंदी शुरू हो गई है। पहली चीज है पूर्वाग्रह-प्रेरित जवाब देना या जवाब देने से इनकार कर देना। जैसे, जब डीपसीक पर सवाल पूछा गया कि चार जून, 1989 को तियानमेन चौराहे पर द टैंकमैन नामक मशहूर घटना का विवरण क्या है, तो डीपसीक जवाब देने से कन्नी काट गया। सवाल दोहराते रहने पर भी यही जवाब मिला कि वह तो एक एआई अस्सिटेंट है, जिसे कोई नुकसान पहुंचाने वाले जवाबों से परहेज बरतने के लिए डिजाइन किया गया है। दूसरा एतराज डीपसीक को लेकर यह है कि यदि आप इस पर पंजीकरण (साइन-अप) करते हैं, तो यह आपकी सारी निजी जानकारियां चीन तक पहुंचा देगा। भारत में चीन के सोशल मीडिया एप- टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने और अमेरिका में चीनी कंपनी हुवावे का कारोबार रोकने के पीछे यही तर्क दिया जाता रहा है कि ये चीनी उपकरण और स्मार्ट मशीनें जासूसी करती हैं। दावा यह भी कि डीपसीक असल में चीन का एक नया जासूस या एजेंट है। ऐसा तर्क देने वालों के मुताबिक डीपसीक की निजता संबंधी नीति (प्राइवेसी पॉलिसी) को मंजूर करने का मतलब है कि आपने यह शर्त मान ली है कि डीपसीक आपकी जानकारी को देश के बाहर सर्वर पर स्टोर कर सकता है। कहने का अभिप्राय यह है कि डीपसीक को जब आप अपने फोन से तमाम निजी जानकारियां संग्रह करने की अनुमति देते हैं, तो यह चैटबॉट आपसे ली गई समस्त जानकारियां पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के सर्वर पर पहुंचाकर जमा कर सकता है। डीपसीक अपने उपयोगकर्ता की जन्मतिथि, टेलीफोन नंबर और यूजर नेम पासवर्ड और टेक्स्ट और ऑडियो इनपुट और चैट हिस्ट्री को स्टोर करता है। भारत में भी चीन की जमीन पर बने स्मार्टफोन की बिक्री रोकने और टिकटॉक एप को प्रतिबंधित करने के पीछे यह तर्क दिया गया था कि इनके जरिए चीनी सरकार भारतीय नागरिकों की निजी जानकारियां बटोर रही है। बहरहाल, एआई के सस्ते-महंगे होने और इनके उपकरणों आदि से जासूसी कराने अथवा निजी जानकारियां समेटने के जितने भी आरोप-प्रत्यारोप हैं- वे सब एक दिन बेमानी हो जाएंगे। ऐसा तब होगा, जब एआई की बादशाहत की जंग अमेरिका-चीन से आगे बढ़कर भारत आदि दूसरों मुल्कों में पहुंच जाएगी।

तालियों की गड़गड़ाहट बनाम तानों की बौछार

जनवरी की कंपकंपाती हवा के साथ देश में एक नया जोश उमड़ने लगता है, एक नई हलचल करवट लेती है। सत्ता के गलियारों में गहमागहमी तेज़ हो जाती है, अर्थशास्त्रियों की पेशानी पर शिकन गहरी होने लगती है, विपक्ष स्वर तेज़ करता है, और जनता? वह फिर से उम्मीदों की गठरी सिर पर उठाए बजट के पन्ने पलटने का इंतज़ार करती है। वित्त मंत्रालय के विशेषज्ञ अपनी टाई कसते हुए आँकड़ों की ऐसी जादूगरी में जुट जाते हैं कि हर घोषणा सुनहरी प्रतीत हो, भले ही वह मात्र संख्याओं का छलावा हो। फिर आता है वह बहुप्रतीक्षित दिन—1 फरवरी! संसद भवन के भव्य गलियारों में लाल कालीन बिछ चुके होते हैं, कैमरों की चमक आसमान छूने लगती है, टीवी एंकर ऊर्जावान स्वरों में अपनी भूमिका निभाने को तैयार होते हैं। वित्त मंत्री, जिनके चेहरे पर इस दिन विशेष आत्मविश्वास झलकता है, डिजिटल टैबलेट हाथ में लिए प्रवेश करती हैं। सत्ता पक्ष के सांसद उल्लास से सराबोर हैं, विपक्षी खेमा बेचैनी से कुछ बड़ा पकड़ने की फिराक में है, और जनता?—वह अब भी गूगल पर खंगाल रही होती है, बजट में मेरे लिए क्या है? जैसे ही वित्त मंत्री अपना भाषण प्रारंभ करती हैं, सत्ता पक्ष के सांसदों में तालियाँ बजाने की होड़ मच जाती है। हर नई घोषणा के साथ तालियों का शोर मानो आसमान चीर देने को आतुर हो—गरीबों के लिए नई योजना!—गर्जनापूर्ण ताली। किसानों के लिए ऐतिहासिक राहत!—गूँजती ताली। मध्यम वर्ग के लिए विशेष प्रावधान!—सबसे ज़ोरदार ताली! लेकिन मध्यम वर्ग? वह इन घोषणाओं के बीच अपनी जेब टटोलते हुए मोबाइल पर टैक्स स्लैब खंगालने में व्यस्त हो जाता है! इसी बीच विपक्षी नेता अपनी सीटों पर बेचैनी से करवटें बदलने लगेंगे। बजट चाहे जितना भी तर्कसंगत हो, उनका एक ही ध्येय रहेगा—निर्विवाद विरोध! जैसे ही वित्त मंत्री गर्वोन्मत्त स्वर में उद्घोषणा करेंगी कि अर्थव्यवस्था नए शिखरों को छू रही है।

प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व बसन्त पंचमी

रमेश सर्राफ धमोरा

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है। सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है।

बसंत पंचमी, प्रकृति और ज्ञान के संगम का पर्व है। यह त्योहार वसंत ऋतु के आगमन पर मनाया जाता है। इस दिन मां सरस्वती की पूजा की जाती है। बसंत पंचमी पर प्रकृति का खिलना और नई फसल आना भी देखा जाता है। बसंत पंचमी एक बहुआयामी त्योहार है जो वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है और समृद्ध परंपराओं, कृषि महत्व और आध्यात्मिक प्रथाओं से भरा हुआ है। यह एक ऐसा दिन है जब प्रकृति की जीवंतता, देवी सरस्वती की भक्ति और कृषि समुदाय का जीवन उत्सव की एक खूबसूरत तस्वीर में एक दूसरे से जुड़ जाता है।

वसंत शब्द का अर्थ है बसंत और पंचमी का पांचवें दिन। इसलिये माघ महीने में जब वसंत ऋतु का आगमन होता है तो इस महीने के पांचवे दिन यानी पंचमी को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है। शास्त्रों में बसंत पंचमी को ऋषि पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। बसन्त उत्तर भारत तथा समीपवर्ती देशों की छह ऋतुओं में से एक ऋतु है। जो फरवरी मार्च और अप्रैल के मध्य इस क्षेत्र में अपना सौंदर्य बिखेरती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सरस्वती जिन्हें विद्या, संगीत और कला की देवी कहा जाता है। है। उनका अवतरण इसी दिन हुआ था और यही कारण है कि भक्त इस शुभ दिन पर ज्ञान प्राप्त करने के लिए उनकी पूजा करते हैं। साथ ही इसे सरस्वती पूजा के नाम से भी जाना जाता है।

सभी शुभ कार्यों के लिए बसन्त पंचमी के दिन अत्यंत शुभ मुहूर्त माना गया है। बसन्त पंचमी को अत्यंत शुभ मुहूर्त मानने के पीछे अनेक कारण हैं। यह पर्व अधिकतर माघ मास में ही पड़ता है। माघ मास का भी धार्मिक एवं आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व है। इस माह में पवित्र तीर्थों में स्नान करने का विशेष महत्व बताया गया है। दूसरे इस समय सूर्यदेव भी उत्तरायण होते हैं। इसलिए प्राचीन काल से बसन्त पंचमी के दिन देवी सरस्वती की पूजा की जाती है अथवा कह सकते हैं कि इस दिन को सरस्वती के जन्म दिवस के रुप में मनाया जाता है। भारत में पतझड़ ऋतु के बाद बसन्त ऋतु का आगमन होता है। हर तरफ रंग-बिरंगें फूल खिले दिखाई देते हैं। इस समय गेहूं की बालियां भी पक कर लहराने लगती हैं। जिन्हें देखकर किसान हर्षित होते हैं। चारों ओर सुहाना मौसम मन को प्रसन्नता से भर देता है। इसीलिये वसन्त ऋतु को सभी ऋतुओं का राजा अर्थात ऋतुराज कहा गया है। इस दिन भगवान विष्णु, कामदेव तथा रति की पूजा की जाती है। इस दिन ब्रह्माण्ड के रचयिता ब्रह्मा जी ने सरस्वती जी की रचना की थी। इसलिए इस दिन देवी सरस्वती की पूजा भी की जाती है।

बसन्त पंचमी का दिन भारतीय मौसम विज्ञान के अनुसार समशीतोष्ण वातावरण के प्रारंभ होने का संकेत है। मकर सक्रांति पर सूर्य के उत्तरायण प्रस्थान के बाद शरद ऋतु की समाप्ति होती है। हालांकि विश्व में बदलते मौसम ने मौसम चक्र को बिगाड़ दिया है। पर सूर्य के अनुसार होने वाले परिवर्तनों का उस पर कोई प्रभाव नहीं है। हमारी संस्कृति के अनुसार पर्वों का विभाजन मौसम के अनुसार ही होता है। इन पर्वो पर मन में उत्पन्न होने वाला उत्साह स्वप्रेरित होता है। सर्दी के बाद गर्मी और उसके बाद बरसात फिर सर्दी का बदलता क्रम देह में बदलाव के साथ ही प्रसन्नता प्रदान करता है।

बसन्त पंचमी का दिन सरस्वती जी की साधना को अर्पित ज्ञान का महापर्व है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की आराधना व्यक्तिगत रूप में करने का विधान है। किंतु आजकल सार्वजनिक पूजा-पाण्डालों में देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने का रिवाज चल पड़ा है। मां सरस्वती का प्रिय रंग पीला है। इसलिए उनकी मूर्तियों को पीले वस्त्र, फूल पहनाए जाते हैं। देश में लोग बसंत पंचमी पर पीले कपड़े पहन कर विद्या की देवी मा सरस्वती कि वंदना मंत्र का उच्चारण कर उनकी पूजा करते हैं।

या कुन्देन्दुतुषारहारधवला या शुभ्रवस्त्रावृता।

या वीणावरदण्डमण्डितकरा या श्वेतपद्मासना॥

या ब्रह्माच्युत शंकरप्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता।

सा मां पातु सरस्वती भगवती निःशेषजाड्यापहा॥

माना गया है कि माघ महीने की शुक्ल पंचमी से बसन्त ऋतु का आरंभ होता है। फाल्गुन और चैत्र मास बसन्त ऋतु के माने गए हैं। फाल्गुन वर्ष का अंतिम मास है और चैत्र पहला। इस प्रकार हिंदू पंचांग के वर्ष का अंत और प्रारंभ बसन्त में ही होता है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। सरसों के फूलों से भरे खेत पीले दिखाई देते हैं। अतः राग रंग और उत्सव मनाने के लिए यह ऋतु सर्वश्रेष्ठ मानी गई है। ग्रंथों के अनुसार देवी सरस्वती विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी व अनंत गुणशालिनी देवी सरस्वती की पूजा-आराधना के लिए माघमास की पंचमी तिथि निर्धारित की गयी है। बसन्त पंचमी को इनका आविर्भाव दिवस माना जाता है। ऋग्वेद में सरस्वती देवी के असीम प्रभाव व महिमा का वर्णन है। मां सरस्वती विद्या व ज्ञान की अधिष्ठात्री हैं। कहते हैं जिनकी जिव्हा पर सरस्वती देवी का वास होता है। वे अत्यंत ही विद्वान व कुशाग्र बुद्धि होते हैं। प्राचीन कथाओं के अनुसार ब्रह्मा जी ने विष्णु जी के कहने पर सृष्टि की रचना की थी। एक दिन वह सृष्टि को देखने के लिए धरती पर भ्रमण करने के लिए आए। ब्रह्मा जी को सृष्टि में कुछ कमी का अहसास हो रहा था। लेकिन वह समझ नहीं पा रहे थे कि किस बात की कमी है। उन्हें पशु-पक्षी, मनुष्य तथा पेड़-पौधे सभी चुप दिखाई दे रहे थे। तब उन्हें आभास हुआ कि क्या कमी है। वह सोचने लगे कि एसा क्या किया जाए कि सभी बोले और खुशी में झूमे। ऐसा विचार करते हुए ब्रह्मा जी ने अपने कमण्डल से जल लेकर धरती पर छिडका। जल छिडकने के बाद श्वेत वस्त्र धारण किए हुए एक देवी प्रकट हुई। इस देवी के चार हाथ थे। एक हाथ में वीणा, दूसरे हाथ में कमल, तीसरे हाथ में माला तथा चतुर्थ हाथ में पुस्तक थी। ब्रह्मा जी ने देवी को वरदान दिया कि तुम सभी प्राणियों के कण्ठ में निवास करोगी। सभी के अंदर चेतना भरोगी, जिस भी प्राणी में तुम्हारा वास होगा वह अपनी विद्वता के बल पर समाज में पूज्यनीय होगा। ब्रह्मा जी ने कहा कि तुम्हें संसार में देवी सरस्वती के नाम से जाना जाएगा।

कडकड़ाती ठंड के बाद बसंत ऋतु में प्रकृति की छटा देखते ही बनती है। पलाश के लाल फूल, आम के पेड़ों पर आए बौर, हरियाली और गुलाबी ठंड मौसम को सुहाना बना देती है। यह ऋतु सेहत की दृष्टि से भी बहुत अच्छी मानी जाती है। मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों में नई चेतना का संचार होता है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान का विशेष महत्व है। देश के कई स्थानो पर पवित्र नदियों के तट और तीर्थ स्थानों पर बसंत मेला भी लगता है। राजस्थान के शेखावाटी क्षेत्र में तो बसंत पंचमी के दिन से ही लोग समूह में एकत्रित होकर रात में चंग ढफ बजाकर धमाल गाकर होली के पर्व का शुभारम्भ करते है।

बसन्त पंचमी के दिन विद्यालयों में भी देवी सरस्वती की आराधना की जाती है। भारत के पूर्वी प्रांतों में घरों में भी विद्या की देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना की जाती है और वसन्त पंचमी के दिन उनकी पूजा की जाती है। उसके बाद अगले दिन मूर्ति को नदी, तालाब में विसर्जित कर दिया जाता है। देवी सरस्वती को ज्ञान, कला, बुद्धि, गायन-वादन की अधिष्ठात्री माना जाता है।

सारंगपुर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

लूट के दो आरोपी को गिरफ्तार कर कुल 1 लाख 17000 रू कीमत का लूटा माल जप्त

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

24 जनवरी को आदेश पिता सुरजभान सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी फूलपुरा थाना महाराजपुरा ग्वालियर ने थाना उपस्थित होकर रिपोर्ट किया कि हम ग्वालियर से इंदौर जा रहे थे तभी सारंगपुर बायपास पर मेरी फोर व्हीलर कार का टायर पंचर हो गया और तभी अज्ञात तीन व्यक्ति आये और मेरे व मेरे वहन से नगद 12 हजार रुपये, एक रोलेक्स कापी कंपनी की घडी, एक तोले का गले की सोने की चेन, 03 ग्राम मंगलसूत्र का पेंडल, 03 ग्राम के कान टॉप्स, 01-01 ग्राम की 02 बालिया तथा 1-1 ग्राम के 02 बिस्किट, तथा बेग मे रखे 02 जोडी जूते एक नायकी एवं एक रेड टेप कंपनी का 02 शर्ट, 02 पेंट, 02 टिशर्ट, एक हाफ जैकेट, कान के ईयर बर्डस बेल्ट कुम कीमत करीबन एक लाख 40 हजार रुपये छीन कर ले गये।

फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना सारंगपुर के अपराध क्र 57/25 धारा 309(4) बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया रिपोर्ट की सूचना वरिष्ठ अधिकारियो को दी गयी।

पुलिस अधीक्षक जिला राजगढ़ आदित्य मिश्रा द्वारा अज्ञात आरोपीयो की तलाश कर कडी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया है पुलिस अधीक्षक के कुशल नेतृत्व व निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा व एसडीओपी अरविन्द्र सिंह के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी आकांक्षा हाडा सारंगपुर व उनकी टीम द्वारा अपने मुखबिरी तंत्र को मजबूत किया। दौराने विवेचना के अज्ञात आरोपीयो की तलाश की गयी मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति अकोदिया व्रिज के नीचे मोटर सायकल लेकर खडे है और सोना वैचने की आपस मे बात कर रहे है सूचना की तस्दीक हेतु टीम को रवाना किया गया उक्त वताये हुलिये के दो व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे जिन्हे घेराबंदी कर पकडा जिनसे पूछताछ की गयी संतोष पिता कैलाश कंजर उम्र 22 वर्ष नि ग्राम किठोर व अजहर पिता नजर मोहम्मद उम्र 38 वर्ष नि ग्राम मंगलाज जिला शाजापुर जिन्होने पूछताछ पर अपना जुर्म स्वीकर किया जिनको गिरफ्तार किया गया आरोपीयो से होण्डा साइन गाडी, कान के टाप्स,मंगलसूत्र कुल कीमती 117000 रू को जप्त किया गया प्रकरण के अन्य आरोपी फरार हैं जिनकी तलाश जारी है प्रकरण विवेचना में है। उक्त सराहनीय कार्य में थाना प्रभारी थाना सारंगपुर आकांक्षा उनकी टीम उनि मनोहर ठाकुर, उनि गुंजा,सउनि आनंदीलाल भिलाला,प्रआर. श्याम,प्राआर सतीष,आर. मिथुल आर.अतुल आर शिव दांगी आर नीतेश मआर अनिता आर गजेन्द्र थाना प्रभारी लीमा चौहान अनिल लाहोरिया उनि राहुल सिंह साइबर टीम उनि जितेंद्र अजनारे प्रधान आरक्षक कुलदीप सिंह की अहम भूमिका रही।

स्वस्थ जीवन शैली से स्वस्थ भारत का निर्माण आरोग्य भारती का लक्ष्य: सारस्वत

लोकहित की पुकार

ग्वालियर। आरोग्य भारती ग्वालियर द्वारा आयोजित स्वस्थ जीवन शैली, स्वस्थ दिनचर्या पर छात्रों को संबोधित करते हुए आरोग्य भारती के अध्यक्ष एम के सारश्वत ने कहा कि स्वस्थ जीवन शैली से स्वस्थ भारत का निर्माण यह आरोग्य भारती का उद्देश्य है। हमारा अनुशासित जीवन, सकारात्मक सोच संतुलित भोजन नियमित दिनचर्या कठिन परिश्रम आपको बहुत सफलता प्रदान करेगा। आप सभी अच्छे विचार रखें। अच्छा सोचें। अच्छा बोलें। एक दूसरे का सहयोग करें। कभी हार न मानें। एक बड़ा लक्ष्य सामने रखकर उसी दिशा में पूरा फोकस करना चाहिए। उन्होंने छोटी छोटी बातों से बहुत कुछ विस्तार से समझाया। जिससे छात्रों को बहुत महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान धन्वंतरि एवं सरस्वती ओम भारत मां को पुष्प अर्पित कर की गई। और तीन बार ओम ध्वनि का उच्चारण किया गया।

विद्या भारती के पूर्ण कालिक कार्यकर्ता एवं प्रांत पर्यावरण संयोजक राजेन्द्र सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता हम सबके लिए बहुत आवश्यक है।कहा गया है कि जहां रहती है सदा सफाई, कहते वहां लक्ष्मी आई। आगे उन्होंने पर्यावरण संरक्षण जन जागरुकता अभियान के अंतर्गत तीन पी (P) पर जानकारी दी पहला पी- पौधारोपण - वर्ष में न्यूनतम एक पौधा लगाकर उसकी उचित देखभाल करना। दूसरी पी- पानी बचाएं। जल है तो जग है। पानी का उचित उपयोग करना। तीसरा पी - पॉलीथिन मुक्त नगर/गांव बनाएं। पन्नी का कम-से-कम उपयोग करना। पन्नी को खाली बोतल में भरकर ईको ब्रिक बनाएं और पर्यावरण बचाएं। पर्यावरण संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। प्राध्यापक श्याम सिंह तोमर ने अपने उद्बोधन में कहा कि आरोग्य भारती आरोग्य पर ध्यान देती है।हम सभी हमेशा स्वस्थ जीवन शैली को अपनायें। नियमित व्यायाम कर तन से मन से स्वस्थ रहकर अपना काम करें। विद्यालय की वरिष्ठ दीदी श्रीमती रेखा कुलश्रेष्ठ ने आरोग्य भारती के इस अभियान का स्वागत किया। और सभी का आभार धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सरस्वती शिशु/ विद्या मंदिर बादलगढ़ किलागेट ग्वालियर के आचार्य परिवार एवं बड़ी संख्या में भैया बहिन उपस्थित रहे।

महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की ऑटो को बस ने मारी टक्कर

सतना। मध्यप्रदेश के सतना जिले में रफ़्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा। आयेदिन नए-नए सड़क हादसे सामने आ रहे हैं। बीते दिनों तीर्थयात्रियों की बस पलटने के बाद आज एक और हादसा सामने आया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। ऑटो में सवार होकर प्रयागराज के महाकुंभ से लौट रहे श्रद्धालुओं की ऑटो को रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के ग्राम अहिरगांव के पास तेज रफ्तार बस ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ऑटो सड़क किनारे गहरी खाई में जा घुसा। इस घटना में ऑटो सवार करीब छह श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल अमरपाटन लाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार देने के बाद चार श्रद्धालुओं को जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। वहीं दो लोगों का उपचार यही किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक सभी घायल मैहर जिले के अमरपाटन थाना क्षेत्र के ग्राम गोरा के रहने वाले हैं। सभी लोग मौनी अमावस्या में गंगा स्नान करने प्रयागराज गए थे। लौटने वक्त रामपुर बघेलान थाना क्षेत्र के पास NH30 में यह हादसा हुआ है।

बरोदिया नौनागिर हत्याकांड में कोर्ट ने सुनाया फैसला

13 आरोपी साक्ष्यों के अभाव में बरी

सागर। सागर के बहुचर्चित बरोदिया नौनागिर लालू हत्याकांड में न्यायालय ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने प्रकरण के सभी 13 आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है। इस बहुचर्चित प्रकरण की सुनवाई जिला विशेष सत्र न्यायाधीश अनुसूचित जाति, जनजाति अत्याचार निवारण कोर्ट में की गई थी, जहां से यह फैसला सुनाया गया।

यह है मामला

सागर जिले की खुरई विधानसभा क्षेत्र के ग्राम बरोदिया नौनागिर में 24 अगस्त 2023 को दलित युवक नितिन उर्फ लालू अहिरवार की गांव के बाजार में पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी।

दलित युवक की हत्या होने पर मामले ने तूल पकड़ा और प्रदेश की राजनीति गरमा गई। इस मामले में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह से लेकर स्थानीय नेता बरोदिया नौनागिर पहुंचे थे। प्रकरण में पुलिस ने 13 लोगों को आरोपी बनाया था, जिन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। इसी प्रकरण में सुनवाई करते हुए न्यायालय ने फैसला सुनाते हुए सभी 13 आरोपियों को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया।

हत्या के मामले में पुलिस ने लालू उर्फ मुबारक खान, नपीश खान, वहीद खान, अनीश खान, आजाद सिंह, सुशील उर्फ गोलू सोनी, विक्रम सिंह, अरवाज खान, गोलू उर्फ फरीम खान, अभिषेक रैकवार, इस्माल बेहना, कोमल सिंह ठाकुर, विजय सिंह ठाकुर को आरोपी बनाया था। जिन्हें गुरुवार को अपना फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने बरी कर दिया।

प्रभारी मंत्री परमार ने ली जिले की समीक्षा बैठक, कहा- परीक्षा परिणाम बिगड़ा तो शिक्षक होंगे जिम्मेदार

बड़वानी। मध्यप्रदेश के बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री इन्दरसिंह परमार गुरुवार को जिले के दौरे पर थे। इस दौरान मंत्री परमार ने कलेक्टर कार्यालय के सभागृह में कई विभागों की समीक्षा बैठक ली। इस बैठक के दौरान प्रदेश के उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री परमार ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन द्वारा संचालित की जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी नागरिकों को मिले, इसके लिए समस्त विभाग के अधिकारी प्रयास करें। इसके साथ ही जहां कोई समस्या हो वहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों का सहयोग लेकर कार्य करें। जिससे जिले का सम्पूर्ण विकास हो और बड़वानी जिला न केवल राज्य में बल्कि देश के अग्रणी जिलों में शामिल हो सके। वहीं, इस बैठक में राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी सहित पानसेमल और बड़वानी विधायक एवं जिले के सभी विभागों के अधिकारी भी मौजूद थे।

डिजिटल अरेस्ट कर करोड़ों की ठगी करने वाले को जमानत नहीं, दुबई भेजा जाता था रुपया

जबलपुर। डिजिटल अरेस्ट कर लोगों से करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के सदस्य की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने पाया कि ठगी के रुपये दुबई भेजे जाते थे। एकलपीठ ने अपराध को गंभीर प्रवृत्ति का मानते हुए जमानत देने से इंकार कर दिया।

केरल निवासी अब्दुल रहमान की तरफ से दायर की गई जमानत याचिका में कहा गया था कि भोपाल क्राइम ब्रांच ने डिजिटल अरेस्ट कर एक व्यक्ति से लगभग 69 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में उसे 22 मार्च 2024 को गिरफ्तार किया था, तभी से वह न्यायिक अभिरक्षा में है। प्रकरण में सह आरोपी बनाए गए दो आरोपियों को जमानत का लाभ मिल गया है। इसके अलावा क्राइम ब्रांच ने न्यायालय में आरोप पत्र भी प्रस्तुत कर दिया है।

जमानत आवेदन का विरोध करते हुए शासकीय अधिवक्ता सीएम तिवारी से बताया कि आरोपी अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का सदस्य है। एनसीआरपी पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार गिरोह ने 14 व्यक्तियों से 3 करोड़ 43 लाख रुपये से अधिक की ठगी की है। वर्तमान मामले में शिकायतकर्ता को फोन कर उसकी आधार आईडी से 200 मिलीग्राम एमडीएमए ड्रग्स भेजने के नाम कर धमकाया गया और डिजिटल अरेस्ट कर उससे लगभग 69 लाख रुपये लिए गए। इसके अलावा दुबई निवासी सह अभियुक्त मोहम्मद शफी ने आवेदन के कहने पर अब्दुल नाम व्यक्ति के खाते में 14 लाख रुपये ट्रांसफर करवाए थे। आवेदन ने अब्दुल से उक्त रकम लेकर मोहम्मद रफी द्वारा भेजे गए एजेंट को दी थी। आवेदक अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का सदस्य है, जिसके तार अन्य प्रदेश के साथ दुबई से जुड़े हुए हैं। एकलपीठ ने सुनवाई के बाद याचिका को खारिज कर दिया।

भस्म आरती में निराले स्वरूप में सजे बाबा महाकाल

मुंबई के श्रद्धालु ने चांदी के आभूषण किए दान

उज्जैन। कालो के काल बाबा महाकाल की भस्म आरती के दौरान आज वे निराले स्वरूप में श्रृंगारित हुए। इस दौरान बाबा महाकाल भांग, त्रिपुंड, चंद्र और बेलपत्र से सजे और फिर उन्होंने भस्म रमाई। जिसके बाद भक्तों ने इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया और जय श्री महाकाल का उद्घोष भी किया। श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज सुबह 4 बजे हुई भस्मारती के दौरान बाबा महाकाल का पंचामृत पूजन अभिषेक कर आकर्षक स्वरूप में श्रृंगार किया गया। जिसने भी इन दिव्य दर्शनों का लाभ लिया वह देखता ही रह गया। आज भस्म आरती के दौरान मुम्बई के भक्त ने चांदी के आभूषण का दान किया।

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि पौष माह माघ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि शुक्रवार पर आज बाबा महाकाल सुबह 4 बजे जागे। भगवान वीरभद्र और मानभद्र की आज्ञा लेकर मंदिर के पट खोले गए। जिसके बाद सबसे पहले भगवान को गर्म जल से स्नान करवाकर दूध, दही, शहद, शक्कर, घी आदि पंचामृत से स्नान कराया गया। पंचामृत पूजन के बाद भगवान महाकाल का पूजन सामग्री से आकर्षक स्वरूप में श्रृंगार किया गया। जिसे देखकर भक्त बाबा महाकाल की भक्ति में लीन हो गए और जय श्री महाकाल का उद्घोष करने लगे। जिसके बाद बाबा महाकाल को महानिर्वाणी अखाड़े के द्वारा भस्म रमाई गई और फिर कपूर आरती की गई।

भक्त द्वारा किया गया चांदी के आभूषण का दान

श्री महाकालेश्वर मंदिर में मुम्बई से पधारे दीपक रमेश पीवेलकर द्वारा मंदिर के पुरोहित पं.आदेश शर्मा की प्रेरणा से एक रजत मुकुट मय चंद्रमा और नाग सहित, 2 नग कुंडल, एक नग मुंडमाला, एक त्रिशूल श्री महाकालेश्वर भगवान को अर्पित किया गया। जिसका लगभग वजन 10228.08 ग्राम है। जिसे मंदिर प्रबंध समिति द्वारा प्राप्त कर विधिवत रसीद प्रदान की गई। यह जानकारी कोठार प्रभारी मनीष पांचाल द्वारा दी गई।

वन अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला, गिद्धों की पहचान

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में 30 जनवरी 2025 को शहडोल वृत्त के प्रशिक्षकों के लिए गिद्ध गणना हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बीटीआर डिवीजन, उमरिया डिवीजन, अनुपपुर डिवीजन, उत्तर और दक्षिण शहडोल डिवीजन से लगभग 30 वन अधिकारियों ने प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्देश्य गिद्ध गणना की सटीकता बढ़ाना और प्रशिक्षकों को इस कार्य के लिए तैयार करना था।

कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर की भूमिका दिलशेर खान ने निभाई। उन्होंने प्रशिक्षकों को गिद्धों की पहचान, गणना की वैज्ञानिक पद्धति और प्रपत्र भरने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस प्रशिक्षण के उपरांत, ये प्रशिक्षक अपने-अपने डिवीजनों में गिद्ध गणना को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे और वनरक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे।

बांधवगढ़ में गिद्ध गणना हेतु प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी प्रदेशभर में गिद्ध गणना 17 से 19 फरवरी 2025 तक आयोजित की जाएगी। इस प्रक्रिया के तहत बीट स्तर पर वनरक्षक गिद्धों की गणना करेंगे और निर्धारित प्रपत्र भरेंगे। इसके बाद ये आंकड़े रेंज स्तर पर संकलित किए जाएंगे और फिर डिवीजन कार्यालयों को भेजे जाएंगे। अंतिम रूप से सभी डिवीजनों से प्राप्त जानकारी को गिद्ध गणना के नोडल केंद्र, वन विहार नेशनल पार्क, भोपाल भेजा जाएगा। गिद्ध पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाते हैं। वे मृत पशुओं का निपटान करके संक्रामक बीमारियों को फैलने से रोकते हैं। गिद्धों की घटती संख्या चिंता का विषय बनी हुई है, और इस तरह की गणनाएं उनकी स्थिति को समझने और संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाने में सहायक होती हैं।

युवती ने दोस्ती से किया मना तो युवक ने गले पर चाकू मारे, गंभीर घायल

इंदौर। इंदौर से 30 किलोमीटर दूर सांवेर में एक युवक ने युवती का गला रेत दिया। चाकू के गहरे घावों से घायल युवती को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है। उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। युवती पर वार करने के बाद आरोपी युवक फरार हो गया। युवक और युवती एक कॉलेज में पढ़ते है।

घटना सांवेर के वार्ड 12 में हुई। यहां पायल नामक युवती पर आरोपी अमन शेख ने हमला कर दिया।युवती चंद्रवतीगंज में रहती है और आरोपी द्वारा परेशान किए जाने के कारण वह अपने मामा के यहां सांवेर आई थी, लेकिन अमन उसके मामा के घर आ गया। युवती जब घर के बाहर खड़ी थी तो आरोपी ने चाकू से गले और हाथ पर वार किए। इसके बाद वह भाग गया। संभवतः वह कॉलेज से आया था,क्योकि उसका बैग भी वहां छूट गया। अमन सांवेर तहसील के ही मकोड़िया गांव में रहता है। अमन युवती पर दोस्ती के लिए लगातार दबाव बना रहा था। लंबे समय तक परिजनों से यह बात छुपाए रखी, लेकिन जब वह धमकाने लगा तो उनसे परिजनों को यह बात बताई। इसके बाद युवती ने कॉलेज जाना भी छोड़ दिया। आरोपी ने उस पर निगरानी शुरू कर दी और मौका पाकर उस पर वार कर दिए। आरोपी हमले के बाद भाग गया। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए छापे भी मारे है, लेकिन उसका पता नहीं चला। युवती की हालत गंभीर बनी है। उसे इंदौर के अरविंदो अस्पताल में भर्ती किया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद हिन्दूवादी संगठन के कार्यकर्ता थाने भी पहुंचे और प्रदर्शन किया।

रेत माफिया का कहर, राजस्व टीम पर हमला सुरक्षाकर्मियों ने फायरिंग कर खदेड़ा

भिण्ड। भिंड राजस्व टीम पर गुरुवार देर रात रेत माफिया ने हमला कर दिया। टीम उमरी इलाके में रेत का अवैध खनन रोकने गई थी। बदमाशों ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली छुड़ाने के लिए पथराव कर दिया। टीम के सुरक्षाकर्मियों ने फायरिंग कर बदमाशों को खदेड़ा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

टीम गुरुवार रात ककारा रेत खदान का निरीक्षण करने निकली थी। इसी बीच रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आई तो टीम ने उसे रोका। ड्राइवर ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से भाग निकला। टीम रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली को उमरी थाने लेकर जाने लगी। इसी दौरान दो वाहनों से कुछ लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने ट्रैक्टर को रोक लिया। बदमाशों ने टीम की गाड़ी पर पथराव शुरू कर दिया। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। बदमाशों को ललकारते हुए चार-पांच राउंड फायर किए। उसके बाद रेत माफिया के लोग अपनी गाड़ियां छोड़कर भाग निकले।

टीआई बोले- हमलावरों को जल्द पकड़ लेंगे

जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। रेत माफिया के वाहनों के साथ ट्रैक्टर ट्रॉली को उमरी थाने लाया गया। थाना प्रभारी शिवप्रताप सिंह राजावत ने कहा कि हमलावरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें पकड़ लिया जाएगा।

संबल योजना लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना : राज्यमंत्री टेटवाल

ग्राम पंचायत मगराना में अंत्येष्टी सहायता वितरित करते हुए बोले राज्यमंत्री गौतम टेटवाल

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

संबल योजना असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण योजना है। इसमें श्रमिक को जन्म से लेकर मृत्यु तक आर्थिक सहायता दी जा रही है। हमारी सरकार ने संबल योजना को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। संबल योजना में सभी योजनाओं जैसे अंत्येष्टी सहायता, मृत्यु अथवा दिव्यांगता पर अनुग्रह सहायता, शिक्षा प्रोत्साहन योजना, प्रसूति सहायता, आयुष्मान भारत, राशन पर्ची आदि का लाभ दिया जा रहा है। सभी संबल हितग्राहियों को आयुष्मान भारत निरामय योजना अंतर्गत पात्र श्रेणी में चिन्हित किया गया है। अब वे भी 5 लाख रूपये वार्षिक निःशुल्क चिकित्सा प्राप्त कर रहे है। यह जानकारी ग्राम पंचायत मगराना में आयोजित अंत्येष्टी राशि वितरण कार्यक्रम में मप्र शासन के

राज्यमंत्री गौतम टेटवाल ने उपस्थित ग्रामीणों को दी।

उन्होंने सभी ग्रामीणों से आव्हान किया कि सभी सरकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही लें और योजना का सफल बनाए। इस मौके पर मंत्री श्रीटेटवाल एवं सरपंच महेश गुर्जर के द्वारा में प्रेम नारायण कुंभकार की मृत्यु होने पर उनके पुत्र ब्रजमोहन कुंभकार को अंत्येष्टि सहायता की राशि प्रदान की। कार्यक्रम के दौरान नपा उपाध्यक्ष नितेश वर्मा, विधायक प्रतिनिधि धर्मेंद्र गुर्जर, मंडल अध्यक्ष मनोहर सिंह परमार, जिला सोशल मीडिया प्रभारी लोकेंद्र गुर्जर एवं सरपंच महेश गब्बर गुर्जर, मऊ सरपंच रईस मंसूरी, पड़ाना सरपंच गोकुल दुगारिया, अल्पसंख्यक मोर्चा मंडल अध्यक्ष शरीफ मंसूरी, सचिव मनोहर सिंह चौहान, पटवारी महेश खरे, सहायक सचिव बृज पाटीदार एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

दिवंगत के परिवार को दी सांत्वना

सारंगपुर के ग्राम मगराना में समाजसेवी हरिनारायण धनगर की धर्मपत्नी स्वर्गीय नर्मदा बाई धनगर के निधन पर उनके निवास पर पहुंचकर राज्यमंत्री श्रीटेटवाल ने भावपूर्ण संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और परिवारजनों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

कायस्थ समाज के प्रदेश अध्यक्ष राजगढ़ जिले में अल्प प्रवास पर पधारने पर किया भव्य स्वागत

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

कायस्थ समाज के कर्मठ जुझारू प्रदेश अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव प्रदेश संगठन मंत्री कैलाश सक्सेना भोपाल जिला महासचिव दिनेश श्रीवास्तव राजगढ़ जिले में पधारे उनका स्वागत सत्कार श्रीमती प्रमिला सक्सेना जिलाध्यक्ष महिला इकाई के निवास पर किया गया। इस शुभ अवसर पर लाड़ले हसमुख प्रदेश अध्यक्ष का अंगवस्त्र फूल माला मोती मालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया। राजगढ़ जिले के सारंगपुर अल्प प्रवास पर पधारे प्रदेशअध्यक्ष ने बताया मध्य प्रदेश के जिलों में राजगढ़ जिला हर गतिविधि में अव्वल है राजगढ़ जिले के ऊर्जावान जिलाध्यक्ष राकेश सक्सेना के नेतृत्व में कायस्थ समाज की हर गतिविधि तरीपे काबिल हैं। शानदार कार्यों के लिए राजगढ़

जिले की चर्चा राष्ट्रीय बैठकों में होती है। उन्होंने महिला इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला सक्सेना को शीघ्र जिला कार्यकारणी का गठन करने का निर्देश दिया। प्रदेश संगठन मंत्री जिला प्रभारी कैलाश सक्सेना ने बताया की राजगढ़ जिले की 42 समस्याओं के आवेदनों में से 40 आवेदनों का निराकरण जिलाध्यक्ष राकेश सक्सेना महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला सक्सेना एवं निष्ठावान टीम के नेतृत्व में हल किए जा चुके इस अवसर पर कायस्थ समाज के प्रदेश अध्यक्ष ने महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला सक्सेना को कायस्थ पत्रिका भेंट की। जिलाध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष को जिले में चल रही गतिविधियों को विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर प्रांतीय प्रतिनिधि रमेश कुमार सक्सेना जिलाध्यक्ष राकेश सक्सेना जिला महामंत्री अमित सक्सेना युवा प्रकोष्ठ के जिला संरक्षक विपुल सक्सेना तहसील अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष अतुल सक्सेना एवं पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

शिक्षा ही सफलता की कुंजी है:टेटवाल

सारंगपुर बालिका छात्रावास में कक्षा 12वीं की छात्राओं के विदाई समारोह में शामिल हुए राज्य मंत्री

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

शिक्षा ही सफलता की कुंजी है और मुझे विश्वास है कि ये सभी छात्राएं अपने लक्ष्य को प्राप्त कर समाज में नई ऊँचाइयाँ छुएंगी। यह बात गुरुवार को सारंगपुर स्थित बालिका छात्रावास में कक्षा 12वीं की छात्राओं के विदाई समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुवे सारंगपुर विधायक एवं मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री गौतम टेटवाल ने छात्राओं के बीच कही। इस विशेष अवसर पर उन्होंने छात्राओं को शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष देवनारायण नागर, मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद एवं मनोहर सिंह परमार, एसडीएम रोहित बम्होरे, तहसीलदार आकाश शर्मा, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी बीएल सूर्यवंशी, छात्रावास अधीक्षक रजनी व्यास, उत्कृष्ट विद्यालय के प्राचार्य सुरेश वीरमाल, कन्या उच्चतर विद्यालय के प्राचार्य दिनेश गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे

उदनखेड़ी में कक्षा 12वीं के छात्र-छात्राओं को दी गई विदाई

शा उ मा वि उदनखेड़ी में अध्ययनरत कक्षा 12 के छात्रों का विदाई समारोह आयोजित किया गया। विदाई समारोह में कक्षा 11 के छात्र-छात्राओं के द्वारा कक्षा 12 वी के छात्र-छात्राओ को भावभिनी विदाई दी गई।

विदाई समारोह मे विद्यालय के छात्र-छात्राओं के द्वारा रंगारग प्रस्तुति दी गई। तथा संस्था के प्राचार्य केएस सक्सेना के द्वारा सत्र 2022-23 के स्कुल टॉपर छात्र हरीओम मालवीय एवं कविता सेन तथा सत्र 2023-24 के स्कुल टॉपर मधु नागर तथा नितिन राजपूत को प्रशस्ति पत्र तथा तिलक लगाकर सम्मान किया। साथ ही संस्था प्राचार्य के द्वारा कक्षा 12 के सभी विद्यार्थियो को उपहार स्वरूप पेन भेंट कर विदाई दी। गणतंत्र दिवस पर कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र एवं गणतंत्र दिवस पर प्राप्त पारितोषिक भेंट कर सम्मानित किया गया। विदाई समारोह के अंत में सभी छात्र-छात्राओं को सह भोज कराकर विदाई दी एवं साथ में ही स्टाफ के सभी सदस्य एवं प्राचार्य के द्वारा छात्र-छात्राओं की उज्जवल भविष्य की कामनाएं करते हुए सभी को आशीर्वाद प्रदान किया।

सारंगपुर के गौ तस्करी के आरोपी नरसिंहगढ़ में गिरफ्तार

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

राजगढ़ पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा का दृढ़ निश्चय गोवंश का अवैध रूप से क्रूरता पूर्वक परिवहन करने वाले अपराधियों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी जिले से इस प्रकार के अपराधियों को जड़ से खत्म किया जाएगा। थाना नरसिंहगढ़ पुलिस द्वारा गोवंश का अवैध रूप से क्रूरता पूर्वक परिवहन करने वाले 02 चार पहिया वाहनों को जप्त कर गोवंश को कराया मुक्त, 07 आरोपियों को किया गिरफ्तार।

पुलिस अधीक्षक राजगढ़ आदित्य मिश्रा के द्वारा जिले में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर प्रभावी कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया है खासकर गोवंश के क्रूरता पूर्वक अवैध परिवहन को शत प्रतिशत बंद करने और इस प्रकार के क्रूरता पूर्वक अपराध करने वालों अपराधियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। इसके साथ अवैध शराब, जुआ सट्टा से जुड़े लोगों के विरुद्ध कठोरतम करवाई करने का निर्देश दिए है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नरसिंहगढ़ उपेंद्र सिंह भाटी के मार्गदर्शन में 02 चार पहिया वाहनों में अवैध रूप क्रूरता पूर्वक गोवंश

का परिवहन करने वाले के साथ ही अवैध रूप से कच्ची हाथ भट्टी की शराब रखने वाले कुल 07 आरोपियों को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई की गई है। थाना नरसिंहगढ़ पुलिस को गोवंश की रक्षा करने वाले संगठनों के माध्यम से सूचना मिली थी कि दो चार पहिया वाहन जिनमें अवैध रूप से गोवंश का क्रूरता पूर्वक परिवहन एवं अवैध कच्ची शराब का परिवहन किया जा रहा है।

गौ रक्षकों की सूचना के आधार पर थाना नरसिंहगढ़ पुलिस द्वारा दो चार पहिया वाहन एक अशोक लीलैंड जिसमें 07 नग गोवंश को क्रूरता पूर्वक ठूस ठूस कर भरा हुआ था साथ ही अवैध कच्ची शराब भी मिली उक्त वाहन अशोक लीलैंड गाड़ी क्रमांक MP09DQ6341 को जप्त कर इंदौर निवासी दो आरोपी अक्षय गुर्जर पिता जीवन सिंह गुर्जर उम्र 28 वर्ष निवासी 173 न्यू गौरी नगर इंदौर जिला इंदौर और किशन सिंह पिता उमराव सिंह भिलाला उम्र 64 वर्ष निवासी 43 छोटी बमोरी इंदौर को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक 36/25 धारा 4/9,6/9 म.प्र. गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004,11(1) घ पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 34(2) म.प्र.आबकारी अधिनियम 1915 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए जाकर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

वहीं दूसरी बोलोरो पिकअप वाहन क्रमांक MP42G3275 में चार गोवंश को क्रूरता पूर्वक परिवहन करने वाले पांच व्यक्ति मोइन खां पिता जावेद खां निवासी मुकेरवाड़ी सारंगपुर कल्ला खां पिता सैयद खां निवासी नयापुरा सारंगपुर साबिर खां पिता रज्जाक खां निवासी शेखपुरा सारंगपुर आजाद पिता नूर खां निवासी पिंजारा बाखल सारंगपुर सोहेल पिता यूनुस खां निवासी शेखपुरा सारंगपुर जिला राजगढ़ को गिरफ्तार कर अपराध क्रमांक - 37/25 धारा- 4/9,6/9 म.प्र. गौबंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004, 11 (1) घ पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960, 34(2) म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 पंजीबद्ध कर विवेचना में लिए जाकर वैधानिक कार्रवाई की गई है। उक्त संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी नरसिंहगढ़ शिवराज सिंह चौहान, उप निरीक्षक जगदीश गोयल, उप निरीक्षक अभय सिंह, सहायक उप निरीक्षक अमृतलाल, सहायक उप निरीक्षक रमेश सगर, सहायक उप निरीक्षक मनोहर साहू, प्रधान आरक्षक वीरेंद्र मौर्य, प्रधान आरक्षक गजेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक दीपक यादव, आरक्षक विवेक चौहान, आरक्षक दीपक मेवाड़ा, आरक्षक चालक बलराम जमरा, आरक्षक धर्मेंद्र रघुवंशी, आरक्षक धर्मेंद्र गुर्जर, आरक्षक लाला राम, आरक्षक शुभम की महत्वपूर्ण भूमिका रही साथ ही गौ रक्षा से जुड़े विभिन्न संगठनों के लोगों की मेहनत व सहयोग से पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई है।

नवनीत कुमार सेन हुए सेवानिवृत्त

लोकहित की पुकार, नरसिहगढ़।

जनपद पंचायत में पदस्थ नवनीत कुमार सेन (ड्राइवर) ने अपने सादगीपूर्ण जीवन में लगभग पूरी नौकरी नरसिहगढ़ जनपद में ही पूर्ण की शुक्रवार को श्री सेन की सेवानिवृत्ती पर जनपद पंचायत में विदाई सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें सेवा निवृत नवनीत कुमार सेन का पुष्प माला और सपा बांधकर जनपद पंचायत स्टाफ के द्वारा स्वागत सम्मान किया गया इस मौके पर जनपद पंचायत का स्टॉफ उपस्थिति रहा।

सिटी पोर्शन रोड मैं गति लाने हेतु एसडीएम सुशील कुमार ने ली बैठक, सभी विभागों को कहा आपसी समन्वय स्थापित कर निर्माण कार्य शीघ्र करने के आदेश

लोकहित की पुकार, नरसिंहगढ़

नगर नरसिंहगढ़ अंतर्गत सिटी पोर्शन सड़क निर्माण कार्य मे आ रही समस्याओ के निराकरण हेतु शुक्रवार को अनुभाग कार्यालय मे अधोहस्ताक्षरकर्ता की अध्यक्षता मे एक बैठक आयोजित की गई हैं।

जिसमें सभी विभागों को आपसी सामंजस्य से स्थापित करते हुए सिटी पोर्शन सड़क निर्माण अति शीघ्र करने के निर्देश दिए जिसमें सर्वप्रथम बैठक मे अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग से सिटी पोर्शन सड़क की डी0पी0आर0 की चौडाई की जानकारी ली गई। जिसमे अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि डी0पी0आर0 अनुसार रोड़ की दोनो तरफ चौड़ाई 5.5 - 5.5 मी. एवं बीच मे 1 मी. डिवाइडर और 2.5 - 2.5 मी. मे नाली एवं अन्य निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित हैं।

अनुविभागीय अधिकारी, लोक निर्माण विभाग नरसिंहगढ़, तहसीलदार मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वर्तमान रोड़ का नक्शा तैयार करे जिसमे रोड़ के मध्य से दोनो तरफ की चौड़ाई, रोड़ के साईड मे स्थित मकान एवं दुकानो की विस्तृत जानकारी एकत्रित की जावे।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा बैठक मे अवगत कराया गया कि सिटी पोर्शन रोड़ के निर्माण के दौरान निर्माण एजेन्सी द्वारा निकाय स्थित पाईप लाईन को क्षतिग्रस्त किया जा रहा हैं। जिसका दुरूस्ती कार्य निर्माण एजेन्सी द्वारा नहीं करवाया जा रहा हैं।

अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आप निर्माण एजेन्सी को सूचना पत्र जारी कर सड़क निर्माण के दौरान होने वाली पाईप लाईन क्षति को दुरूस्त करावे या दुरूस्ती कार्य मे होने वाले व्यय का सम्पूर्ण भुगतान संबंधित विभाग द्वारा निकाय को किया जावे। इस कार्य मे कोई लापरवाही न बरती जावे। जिससे नगर के नगरिको को जल प्रदाय मे कोई समस्या उत्पन्न न हो, एवं साथ ही निर्देशित किया गया कि लोक निर्माण विभाग एवं नगर पालिका संयुक्त निरीक्षण करले की सिटी पोर्शन सड़क निर्माण के दौरान निकाय की किन - किन जगह पर पाईन लाईन क्षतिग्रस्त होने की संभावना हैं, एवं उसका स्टीमेट तैयार कर लोक निर्माण विभाग भुगतान करने की कार्यवाही करे।

परिषद की दुकानों के संबंध में शीघ्र निर्णय के दिया आदेश

साथ ही सी.एम.ओ. नरसिंहगढ़ द्वारा बताया गया कि उक्त सड़क निर्माण मे नगर नरसिंहगढ़ स्थित छत्री चौराहा के समीप नगर पालिका परिषद की 25 दुकाने भी प्रभावित हो रही हैं। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा सी.एम.ओ. नर. एवं अ.वि.अ. लो.नि.वि.नर. को निर्देशित किया गया कि अपने अधीनस्थ अमले सहित संयुक्त निरीक्षण कर परिषद की दुकाने सड़क निर्माण मे कितने फीट टूटेगी का आंकलन कर लेवे, एवं सी.एम.ओ. नर. को निर्देशित किया गया कि निकाय परिषद की बैठक कर दुकानो के संबंध मे उचित निर्णय लिया जावे।

विगत वर्ष 2022 मे हुई अतिवर्षा के कारण परशुराम तालाब से निकालने वाला नाला जिसके ऊपर परिषद की दुकाने बनी हुई हैं। उक्त नाला क्षतिग्रस्त होने के कारण नगर मे जल भराव हो गया था। जिसके कारण घरो के अंदर पानी भर गया था। सी.एम.ओ. नर. को निर्देशित किया गया कि अपने अधीनस्थ अमले सहित उक्त नाले की सही से जॉच करले की उक्त नाले की क्या स्थिति हैं। क्या नाला क्षतिग्रस्त हो चुका है यदि नाला क्षतिग्रस्त हो गया है तो उसकी मरम्मत कार्य कराना सुनिश्चित करे। क्योंकि बैठक के दौरान अवगत कराया गया है कि उक्त नाले के ऊपर निकाय की दुकाने बनी हैं। यदि नाला क्षतिग्रस्त है तो कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित होने से इंकार नहीं किया जा सकता। उक्त नाले की तत्काल जॉच कर आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग द्वारा बैठक मे बताया गया कि मेहमान घाटी के नजदीक स्थित लोहकुटा समुदाय के लोगो को विस्थापित किया जाना हैं। विस्थापित नहीं होने के कारण निर्माण कार्य को उक्त जगह पर रोक दिया गया हैं। उक्त समुदाय को विस्थापित करने हेतु पूर्व मे तीज बड़ली मंदिर समीप भूमि आवंटन की चर्चा हुई थी। आवंटन संबंधी कार्यवाही अभी लंबित हैं। बैठक मे उपस्थित तहसीलदार नरसिंहगढ़ को निर्देशित किया गया कि उक्त समुदाय के व्यक्तियो को विस्थापित करने हेतु भूमि का चयन कर विस्थापन संबंधी कार्यवाही करना सुनिश्चित करे। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि ई एण्ड एम विभाग के ठेकेदार द्वारा कार्य मे रूचि नहीं ली जा रही हैं। जिसके कारण निर्माण कार्य समय से नहीं हो पा रहा हैं। बैठक के दौरान ई एण्ड एम के ठेकेदार को अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा फोन पर निर्देशित किया गया कि दिनांक 03.02.2025 से अविलंब पोल सिफ्टिंग का कार्य प्रारंभ करे। अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग द्वारा बताया गया कि नरसिंह स्टेडियम से हनुमान गढ़ी की पोल सिफ्टंग का कार्य किया जाना हैं। जिस पर ई एण्ड एम विभाग की एस.डी.ओ. द्वारा तत्काल कार्य प्रारंभ किया जाना बताया गया। बैठक मे उपस्थित ई एण्ड एम विभाग के उपयंत्री के द्वारा बताया गया कि शिक्षक कॉलोनी के पास ट्रान्सफर्मर चेंज हेतु रिवाईज्ड स्टीमेंट तैयार कर दिनांक 08.01.2025 को विद्युत विभाग को भेजा गया हैं, किन्तु विद्युत विभाग द्वारा आज दिनांक तक परमिशन जारी नहीं की गई हैं। बैठक मे उपस्थित श्री मृणाल चौधरी, ए.ई. विद्युत विभाग को निर्देशित किया गया कि तत्काल विभागीय अधिकारियो से सम्पर्क कर ई एण्ड एम विभाग द्वारा चाही गई रिवाईज्ड स्टीमेंट की अनुमति नियमानुसार जारी करावे। अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा एस.डी.ओ. ई/एम राजगढ़ को निर्देशित किया गया कि लाईन सिफ्टिंग के दौरान मुख्य मार्ग से क्रॉस होने वाली विद्युत केवल के नीचे जाल बिछावे (गार्डिंग करे) ताकि कभी किसी स्थिति मे विद्युत केवल टूटती हैं तो किसी प्रकार की अप्रिय घटना घटित होने से बचा जा सके। इस बात का विशेष ध्यान रखा जावे उक्त समस्त कार्यवाही संबंधित विभाग द्वारा 07 दिवस के अंदर पूर्ण कर ली जावे। आगामी दिनांक 06.02.2025 दिन गुरूवार को पुनः उक्त कार्यो की प्रगति के संबंध मे बैठक आयोजित की जावेगी।

गंगा बाई चंदेलकर निधन

सारंगपुर। नगर के वरिष्ठ समाजसेवी त्रिकार परिवार की बेटी , गंगा बाई धर्मपत्नी रोड़ सिंह चंदेलकर नवीन बस स्टैंड का आकस्मिक निधन हो गया उनकी अंतिम यात्रा दोपहर पश्चात निज निवास राठी कॉलोनी से निकल गई जो मुक्तिधाम पहुंची जहां उनके पुत्र नंदलाल, घनश्याम, सुनील एवं जितेंद्र ने मुखाग्नि थी। दिवंगत आत्मा की शांति के लिए शोक सभा आयोजित कर सामूहिक मौन श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पर्यावरण प्रेमी लक्ष्मी नारायण त्रिकार, श्याम जी चौरासी, दिनेश जी चौहान, प्रहलाद सिंह लखनोद, देवचंद कलजोरिया, पंडित जे पी जोशी, अजय वर्मा , जितेंद्र पाटीदार, अशरफ मंसूरी, अशोक वैष्णव, श्याम सुंदर राठी , पवन बृजवासी, मुकेश सेन, भगवानदास पाटीदार, अमित सिंह, सिद्धनाथ लाइनमैन, राधेश्याम अहिरवार सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 46569। से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 46569। से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।